विश्वमानव बरेली, 9 नवम्बर 2009

ह्यूस्टन में मनाया गया जश्न -ए- वसीम

❖ वसीम बरेलवी अली सरदार जाफरी अवार्ड से सम्मानित

बरेली, 8 नवम्बर। वसीम बरेलवी की शायरी की लोकप्रियता काफी अर्सा पहले हिन्दुस्तान की सरहदों को पार कर चुकी है। अमेरिका के अलावा एशिया के कई देशों में वे अपने कलाम पढ़ चुके हैं। दो साल पहले

> वसीम बरेलवी 9 अक्टूबर से अब तक अमेरिका ह[illegible]र्ड, डेट्राइट, डेनेवर, न्यूयार्क, शिका[illegible] [illegible]स्टन, ऑस्टिन तथा डल्लास के मु[illegible] में भी अपने कलाम पढ़ चुके हैं। 1[illegible] नवम्बर को वे फीनिक्स तथा 14 क[illegible] [illegible] फ्रांसिस्को के मुशायरों में शिरकत करेंगे।

अमेरिका के जिस ह्यूस्टन शहर की उन्हें मानव नागरिकता प्रदान की गई थी, उसी शहर में गत 6 नवम्बर की शाम उन्हें जश्न - ए- वसीम कार्यक्रम में उर्दू साहित्य में उनके योगदान के लिए अली सरदार जाफरी लिटरेरी अवार्ड से नवाजा गया। आस्टिन अमेरिका स्थित यूनिवर्सिटी ऑफ टैक्सास तथा कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अकबर हैदर ने उन्हें अवार्ड तथा एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया। इस अवसर पर बोलते हुए पाकिस्तान के मशहूर शायर अब्बास तबिश ने

कहा कि वसीम बरेलवी की शख्सियत उनकी शायरी की तरह ही खूबसूरत है। कार्यक्रम के संयोजक परवेज जाफरी ने कहा कि वसीम बरेलवी द्वारा सरल शब्दों में लिखी गई गजलें आम आदमी के दिल को छूती हैं यही उनकी मकबूलियत का राज है। भारतीय शायर मेराज फैजाबादी ने वसीम बरेलवी के उर्दू शायरी में योगदान पर प्रकाश डाला। अपने सम्बोधन में वसीम बरेलवी ने कहा कि आज दुनिया में हर तरफ आर्थिक, राजनैतिक और समाजिक क्षेत्र में अशान्ति है ऐसे माहौल में पश्चिमी देशों के विश्वविद्यालयों के उर्दू पाठ्यक्रम में ऐसी शायरी को शामिल किया जाना चाहिए जो छात्रों में मानवीयता और आशावाद उत्पन्न कर सके। ह्यूस्टन के पाकिस्तान अमेरिकन कम्युनिटी सेन्टर में हुए जश्न-ए-वसीम कार्यक्रम में भारतीय तथा पाकिस्तानी मूल के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

वसीम बरेलवी के सम्मान के बाद रात 9 बजे अन्तराष्ट्रीय मुशायरा शुरू हुआ जो अगले दिन सुबह 3.30 बजे तक चला जिसमें भारतीय ताहिर फराज, मेराज फैजाबादी पाकिस्तान के अब्बास तबिश तथा अमेरिका के डा० नौसाअसगर, जमीन जाफरी, सरफराज आबाद, सुश्री उमेरा रहमान, इशरत आफरीन तथा डा० शगुफ्ता रियाज ने कलाम पढ़े। लोगों को तब हैरानी हुई जब एक गोरे अमेरिकन मैक्स ब्रूस ने बढ़िया उर्दू बोलते हुए खुमार बाराबंकी के शेर तथा गजलें सुनायी। वसीम बरेलवी ने मैक्स ब्रूस तथा शान अली खान को असरार-अल-हक मजाज लिटरेरी अवार्ड प्रदान किया। यह कार्यक्रम अलीगढ़ ऐलुमिनी एसो० आफ टैक्सास के तत्वावधान में हुआ। जिसके अध्यक्ष लताफत हुसैन ने सभी शायरों का स्वागत किया। संचालन परवेज जाफरी ने व अध्यक्षता वसीम बरेलवी ने की।